बावा लाल प्यारे दी नित महिमा गावे मैं

बावा लाल प्यारे दी नित महिमा गावे मैं,
ले धूलि चरना दी मस्तक दे लावा मैं,

जो लाल दा बन जावे ओह्दी किस्मत बन्दी है,
तेरी छडा चौकठ न ईशा मेरे मन दी है,
ठर हीर दा जांदा है जद दर्शन पावा मैं,
ले धूलि चरना दी मस्तक दे लावा मैं,

एह्दे सिमरन विच जिसदी विरति जुड़ जन्दी है,
फिर आई मुसीबत भी वापिस मूड जांदी है,
इस दर तो खुशियां दी ले दौलत जावा मैं,
बावा लाल प्यारे दी नित महिमा गावे मैं,

एह सतगुरु है मेरा मैं सेवक हां इसदा,
लभ दा ऐहदी रेहमत हां मेरे लब ते न दिसदा,
ऐसे दियां यादा दी नित ज्योत जगावा मैं,
बावा लाल प्यारे दी नित महिमा गावे मैं,

एह्दे चरना विच फानी सब दे सिर युकदे ने,
सुख झोली पेंदे ने दु:ख जन्म दे मूक दे ने,
इस लाल द्वारे ते फिर क्यों न आवा मैं,

बावा लाल प्यारे दी नित महिमा गावे मैं,

Source:
https://www.bharattemples.com/bawa-lal-pyaare-di-nit-mahima-gaawa-main/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw